परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

अनन्तानन्त सिद्धों की आराधना का सुअवसर

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा । अगाामी माह मार्च 2016 में अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर जबकि स्वर्गलोक से देवगण भी नन्दीश्वर द्वीप में भक्ति आराधना के लिए अपने परिवार सहित जाते है, स्थानीय चन्द्रप्रभु मंदिर ट्रस्ट खरीफाटक बाहर ने दि. 16.03.16 से 23.03.16 तक सिद्धचक्र विधान का आयोजन सामूहिक रूप से करने का निर्णय किया है।

इसके पश्चात दि. 1.04.16 से 8.04.16 तक श्री सिद्धक्षेत्र पावागिरजी में विदिशा में निवासरत श्रावक श्रेष्ठी श्री दीपचन्द महेन्द्रकुमार नीरजकुमार जैन 'गौरवाले' के सिद्धचक्र महामंडल विधान करवाने के भाव हुए हैं। साधर्मीजन उक्त भक्ति गंगा में अवगाहन हेतु सादर आमंत्रित है । उक्त विधान बा.ब्र. दशमी प्रतिमाधारी श्री अशोक भैय्याजी इन्दौर एवं पं. महेन्द्रकुमार जैन विदिशा के मार्गदर्शन में संपन्न होगा तत्पश्चात 10.04.16 से 19.04.16 तक विदिशा श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, किरी मोहल्ला में श्री हुकमचंद, बाबूलाल, दुलीचंद, संतोषकुमार, अभयकुमार झांवर परिवार द्वारा सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है । यह विधान भी आ. अशोक भैयाजी एवं पं. महेन्द्रकुमारजी के मार्गदर्शन में संपन्न होंगे । समाजजनों से विनती है कि उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर मानव जीवन सार्थक करें ।

अहमदाबाद के रामेश्वर पार्क में दि. 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । गुजरात में प्रथम चौमुखी मंदिर व 1008 सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा की स्थापना की जा रही है । पधारकर धर्मलाभ लेवें ।

बधाईयाँ - डॉ. अनिल जैन हुए सम्मानित

इंडियन सोसायटी फॉर एजुकेशन एण्ड इन्वायरमेंटल आईएसईई भोपाल एवं जवाहरलाल नेहरु स्मृति महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जो कि श्रीलंका महाबोध सोसायटी सांची में आयोजित की गयी थी, उसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल जैन को श्री विद्या अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया । इस संगोष्ठी में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. तारिक जफर, रायसेन जिलाध्यक्ष जे.के. जैन, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के डॉ. हेमंत खण्डई अतिथि के रुप में उपस्थित थे । डॉ. अनिल जैन की इस उपलब्धि पर उनके मित्रगण ने हार्दिक बधाईयां प्रेषित की ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रीजी ने किया जैन दम्पत्ति का सम्मान

दुर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोहनलाल बाकलीवाल की स्मृति में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री रमनसिंहजी की उपस्थिति में डॉ. कपूरचन्द्र जैन एवं डॉ. ज्योति जैन ने खतौली (उ.प्र.) स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज की भूमिका पर विशेष वक्तव्य दिया । उन्होंने कहा कि ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम से विख्यात भारत वर्ष के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में कई जैन शहीदों ने शहादत देकर तथा लगभग पांच हजार जैनों ने जेल की दारुण यातनायें सहकर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया था । श्री मोहनलाल बाकलीवाल और छत्तीसगढ़ के 35 जैन स्वतंत्रता सेनानियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । जैन दम्पत्ति ने अपनी पुस्तक 'स्वतंत्रता संग्राम में जैन' मुख्यमंत्रीजी को भेंट की । आयोजन समिति की ओर से माननीय मुख्यमंत्रीजी के कर कमलों द्वारा जैन दम्पत्ति को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया ।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए भा. दि. जैन महासभा के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार सेठी ने कहा कि राष्ट्र के विकास में जैन समाज कंधे से कंधा मिलाकर चला है । आज पूरे भारत विशेषकर छत्तीसगढ़ में बिखरे जैन पुरातत्व के संरक्षण की महती आवश्यकता है । समारोह समिति ने इस अवसर पर 40 जैन स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को भी सम्मानित किया एवं उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखे । जैन दम्पत्ति के सहयोग से श्री कैलाशचंद रारा द्वारा निर्मित 'आजादी के जैन सिपाही' डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया । डॉ. उज्जवल पाटली, प्रदीप जैन 'विश्व परिवार', नथमल कोठारी, दानेश्वर प्रसाद शर्मा सहित बड़ी संख्या में जैन एवं जैनेतर महानुभाव उपस्थित थे ।

करियर संबंधी मार्ग निर्देशन

पवागिरि में संपन्न समारोह के अवसर पर गोलालारीय दर्शन के संरक्षक सदस्य डॉ. प्रकाशचंदजी जैन द्वारा घोषणा की गई थी कि विद्यार्थियों को करियर संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वे अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे । डॉ. पी.सी. जैन, मोबाइल : 07709093997 से संपर्क कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते है । यदि आप अपनी समस्या हमें लिखकर भेजेंगे तो उनका समाधान हम अपने आगामी अंक में प्रकाशित कर सकेंगे ।

यदि आप किसी भी तरह का मार्गदर्शन किसी भी क्षेत्र में करना चाहते है तो अपनी इच्छा हमें बताये ताकि उनका प्रकाशन कर समाज का लाभ हो सके।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण
घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2016 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)